वर्ष 27
षष्ठम् अंक
जनवरी 2015

सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

9 **सामाजिक नेता/कार्यकर्ता बनने की कसौटी**

विशेष स्तम्भ

11 समसामयिक सामान्य ज्ञान

19 आर्थिक परिदृश्य

23 राष्ट्रीय परिदृश्य

26 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य

31 क्रीड़ा जगत्

34 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य

35 सारभूत तत्व कोष

38 अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं

लेख

41 सांविधानिक लेख—भारतीय संविधान एवं भाषा सम्बन्धी उपबंध

42 अन्तरिक्ष अभियान—इसरो के भविष्य के मिशन

44 शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु विशेष लेख—बाल विकास एवं शिक्षण कला का उपयोग

46 ऐतिहासिक लेख—प्राचीन भारतीय समाज में स्त्रियों की स्थिति

47 कैरियर लेख—एस.एस.बी.

53 बिहार लोक सेवा आयोग की सिविल सर्विसेज तथा इंटरस्तरीय एवं स्नातकस्तरीय परीक्षा हेतु विशेष

59 एस.बी.आई. की सहयोगी बैंकों में लिपिक बनने के लिए युवा उम्मीदवारों के पास एक अच्छा मौका

हल प्रश्न-पत्र

63 स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया प्रोबेशनरी ऑफीसर्स परीक्षा, 2014

101 बिहार कर्मचारी चयन आयोग स्नातकस्तरीय (प्रारम्भिक परीक्षा) हेतु विशेष हल प्रश्न-पत्र

एस.एस.सी. स्टेनोग्राफर ग्रेड 'सी एण्ड डी' परीक्षा, 2014 (प्रथम पाली)

110 सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति

115 सामान्य जानकारी

118 English Language and Comprehension

आगामी आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक क्लर्क सम्मिलित लिखित परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

124 तर्कशक्ति परीक्षा

127 English Language

130 आंकिक क्षमता

133 सामान्य जागरूकता

136 कम्प्यूटर ज्ञान

सामान्य जानकारी

138 वार्षिक रिपोर्ट 2013-14– कृषि क्षेत्र में दूसरी पीली क्रान्ति हेतु राई-सरसों अनुसंधान की भूमिका : नई पहलें

140 भारत के लोक नृत्य

144 ज्ञान वृद्धि कीजिए

145 रोजगार समाचार

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. —सम्पादक

• **E-mail :** publisher@pdgroup.in • **Website :** www.pdgroup.in

सामाजिक नेता/कार्यकर्ता बनने की कसौटी

— साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

> *"A leader is best-when people barely know that he exists, not so good when people obey and acclaim him, worse when they despise him. "Fail to honour people, they fail to honour you". But of a good leader, who talks little, when his work is done, his aim is fulfilled, they will all say, "we did this ourselves."*
>
> **—*Lao–Tzu***

कुछ लोगों में यह नैसर्गिक वृत्ति होती है कि वे जिस भी ख्याल में रहते हैं, अधिकाधिक लोगों के साथ जुड़ कर जीते हैं. अधिकाधिक लोगों के संपर्क में रह कर उनकी परेशानियों को दूर करने में महज ही सहयोगी बनते हैं. ऐसे लोगों को कोई काम या जिम्मेदारी लेने के लिए कहा नहीं जाता फिर भी वे अपने संवेदनशील उदार स्वभाव के कारण अनेक के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने में मददगार बनते हैं. ऐसे लोग जब किसी सामाजिक संस्था के सक्रिय सदस्य बन जाते हैं तब अपने भावों को एक बड़े स्तर पर मूर्त रूप देने के लिए उत्साहित बन कर अनेक जनकल्याणकारी कार्य करते हैं. जनकल्याणकारी योजनाओं की रचना स्वयं भी करते हैं व अन्यों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अपनी योग्यतानुसार भूमिका भी अदा करते हैं. ऐसे लोग प्रायः स्वयंसेवी बनकर जीते हैं. इनकी मानवीयता इन्हें व्यक्तित्व की उन ऊँचाइयों पर ले जाती है, जहाँ से ये देवताओं के तुल्य माने जाने लगते हैं. ऐसे लोगों को ही 'देवपुरुष' कहा जाता है. ये कुछ लोग इस जगत् में फूलों के मानिंद जीते हैं, जिनके होने से सारा गुलशन महक जाता है.

कहा भी है किसी ने—

सीख ले फूलों से गाफिल,
मुछआ ए जिंदगी।
खुद महकना ही नहीं,
गुलशन को महकाना भी है।।

एक सामाजिक कार्यकर्ता अथवा किसी भी संस्था का शीर्षस्थ होने के लिए हमारे व्यक्तित्व में निम्न कुछ सद्गुणों का होना नितांत आवश्यक है, जैसेकि—

सर्वजन हिताय की भावना; परस्पर सहयोगी बनने का स्वभाव; ऊँच-नीच, बैर-विरोध आदि क्षुद्र सोच का न होना; सब योग्य ही है, ऐसा भरपूर विश्वास होना. मात्र धन या पद ही व्यक्ति के श्रेष्ठ होने का पैमाना नहीं है. किसी भी व्यक्ति का आकलन उसके शुभ संकल्पों, त्यागमय जीवन मूल्यों से एवं भावों की सरलता से करना आए.

●●●